बिहार सरकार
पर्यटन विभाग
प्रथम तल, बी0 ब्लॉक, एक्सटेंशन भवन, मुख्य सचिवालय, पटना।
Email- js. bihartourism@gmail.com, website: www.bihartourism.gov.in

Blissful Bihar
BIHAR TOURISM

संचिका संख्या०– पर्य०वि०प०(ध्याना०)– 10 / 2023..2514.... दिनांक ..06-11-2023

प्रेषक,

उप निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

सेवा में,

अपर मुख्य सचिव,
जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना।

विषयः– श्री सर्वेश कुमार, माननीय स०वि०प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 205वें सत्र में पूछे जाने वाले ध्यानाकर्षण को हस्तांतरित करने के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि श्री सर्वेश कुमार, माननीय स०वि०प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 205वें सत्र में पूछा जाने वाला ध्यानाकर्षण सिमरिया धाम बेगूसराय में कार्यान्वित की जा रही योजना से संबंधित है। इस विषय का संबंध भवदीय के विभाग से है।

अतः उक्त ध्यानाकर्षण को आवश्यक कार्रवाई हेतु हस्तांतरित किया जा रहा है। इस आशय की सूचना बिहार विधान परिषद् को भी दी जा रही है।

अनु०– यथोक्त।

विश्वासभाजन,

उप निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

ज्ञापांक..2514..... दिनांक..06-11-2023

प्रतिलिपि :– अवर सचिव, बिहार विधान परिषद् को उनके ज्ञापांक संख्या 2302 (1) वि०प०, दिनांक– 02.11.2023 के संदर्भ में / संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

उप निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

सचिव, पर्यटन विभाग
02 NOV 2023
बिहार, पटना

<u>ध्यानाकर्षण</u>

माननीय सभापति महोदय,

बिहार सरकार 115 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत कर सिमरिया धाम बेगुसराय में स्नान घाट, धर्मशाला, वाच टावर, शौचालय, चेंज रूम आदि तैयार कर रही है जो स्वागत योग्य है। साथ ही यहाँ केंद्र सरकार की भी नमामी गंगे परियोजना से मोक्ष घाट की योजना क्रियान्वित की जा रही है।

बिहार सरकार सिमरिया धाम को एक आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र, धार्मिक केंद्र और आस्था के केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रयास कार्यान्वित हो रहा है, जो प्रशंसनीय है।

सिमरिया धाम में राजेंद्र पुल के पश्चिम का गंगा तट जो लगभग 500 मीटर का है इसे भी रीवर फ्रंट एवं स्नान घाट के रूप में विकसित किये जाने की आवश्यकता है इसे भी जल संसाधन विभाग के अपनी कार्य योजना में सम्मलित करना चाहिये अन्यथा सिमरिया का आधा ही विकास हो पाएगा और यह सब दिन के लिए अधुरा रह जायेगा ।

सिमरिया धाम में सरकार की ओर से खड़े किए जा रहें इंफ्रास्ट्रक्चर जिनकी लागत सैकड़ो करोड़ रुपये की है के रखरखाव के लिए और समुचित प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट बनाने की आवश्यकता है। जिसमें बिहार सरकार के प्रतिनिधि, जिला प्रशासन के प्रतिनिधि, नगर परिषद् के प्रतिनिधि, स्थानीय साधु संत समाज एवं सिमरिया धाम को व्यवस्थित एवं विकसित करने वाले लोग सम्मिलित हों। सिमरिया धाम के वार्षिक बंदोवस्त से होने वाली आय को इस ट्रस्ट के खर्च के लिए नियत किया जा सकता है। अगर सरकार के ध्यान में कोई और व्यवस्था है तो सरकार उसे स्पस्ट करे सिमरिया धाम का विकास सांस्कृतिक धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्व का विषय है । सिमरिया घाम की योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एक स्थायी व्यवस्था की आवश्यक है ।

अत: इस संदर्भ में सरकार से सदन में एक स्पस्ट वक्तब्य की मांग करता हूँ।

ह०/-
सर्वेश कुमार
स०वि०प०

ज्ञापांक:-वि.प.अ.प्र.-06/2023- 2302 (1) वि०प० दिनांक:- 2/11/2023

प्रतिलिपि:-बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण/ माननीय मुख्यमंत्री,बिहार/ माननीय उप मुख्यमंत्री सहित अन्य माननीय मंत्रीगण, बिहार/ मुख्य सचिव, बिहार/ संसदीय कार्य विभाग, बिहार/ पर्यटन विभाग, बिहार / प्रश्न शाखा/ निवेदन शाखा एवं विधेयक शाखा, बिहार विधान परिषद् को सूचनार्थ (एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु) प्रेषित।

2. माननीय सदस्य दिनांक-08.11.2023 को बिहार विधान परिषद् में सरकार का ध्यान आकृष्ट करेंगे।

3. (-) केवल संबंधित विभाग के लिए।

01.11.2023
(मनोज कुमार)
अवर सचिव
बिहार विधान परिषद्

सचिव कोषांग
पर्यटन विभाग
डायरी सं. 6290
दिनांक 02/11/2023